

**Pankaj Kumar Badal**

**6/2/2025, 7:55:19 PM**

अनुद्धव ने जाति और जनजाति के 34 अधिकारों  
में से कौन सा अधिकार वह बोलता है कि अनुद्धव की  
कृत गुणों की विवरण जनजाति के अधिकारों में से कौन सा  
स्थिति के अधिकार का अनुज्ञा दिया जाएगा तो उसका उत्तर है,  
इसके अनुद्धव, जनजाति और उत्तर जनजाति का  
सम्बन्धित अधिकार इस प्रश्न का उत्तर है।

राष्ट्रियालय के द्वारा विभिन्न अनुद्धवित  
जाति (SC) एवं अनुद्धवित जनजाति (ST) का  
अप्रबोध की समाजी. प्रवास छठे द्वितीय, सांख्यिकी

शर्वाचारी के साथ ही, भारतीय जीविधान के  
अनुद्धव 15 द्वारा 16 के लकड़ी गोड़ी के  
शोषणीय श्रियों के आरक्षण का प्राप्ति है।

भव प्राप्ति, अनुद्धवित जाति  
शब्दा अनुद्धवित जनजाति को को उत्तर जनजाति  
नाम ही हाल ही के <sup>90</sup> लकड़ी विधि विधायक द्वारा,  
अनुद्धवित जाति एवं जनजाति के उत्तर जनजाति एवं  
अनुद्धवित प्रबोध का है जो नियमित  
रहे रहे —

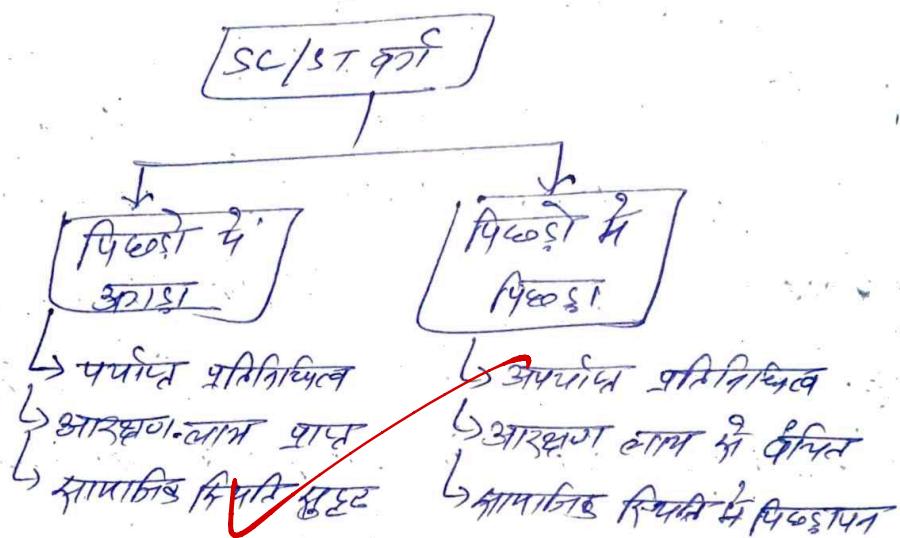
① अनुद्धवित जाति और जनजाति के समान  
सम्मुखीनीय है।

② कृष्ण जाति को द्वारा द्वारा द्वारा  
कृष्ण है।

③ उत्तर जनजाति के समान है

२०८५ विकास नगर पुर ३४-१८५०

④ राष्ट्र के नए विभिन्न उत्तरांशों की जाति विभाग द्वारा पर्याप्त प्रतिक्रिया नहीं है।



શ્રી સુવિનાય પ્રાપ્તિનિધિ કો<sup>લ</sup> વિભાગ  
અંગે 'દ્વિતીય' નો એ આર્થિક વર્ણન  
પર્યાપ્ત કરે રહેલું કુમાર વિઠળ  
કુવિનાય કરતા છે।

लैटिन, अंग्रेजीत जाति  
यह गणना किसान पर होती है विद्युत  
प्रभाव पर्याप्त हो आर्द्धकालीन तात्पुर  
विकास के साथ होती है।

संविधानिक समाजिक वर्ग वर्गीकरण ७९  
पर पूर्णा, जो अनिवार्य है—

(संविधानिक वर्ग) :- SC/ST ३४ - २५/३०

जो अनिवार्य संविधानिक वर्ग है  
है—

(i) संविधानिक वर्ग पर व्यापार :- ३१/२८६-३४।

अधीक्ष ३४२ के अन्तर्गत SC/ST ४७

सूची वित्तीय विभाग अधिकारियों ए

जाति शालिकों के बीच वित्तीय विभाग के  
कार्रवाईकर्त्ता विभाग एवं वित्तीय विभाग के

लिए ३१/२८६-३४।

दूसरे के बड़े विभाग विभाग विभाग

एवं SC/ST सूची के विभाग

एवं इसकी।

(ii) 'समाज के अधिकार' पर व्यापार :-

कुल वित्तीय विभाग एवं विभाग

उप-विभाग, अपार्टमेंट एवं अधिकार के

व्यापारिक विभाग।

इसके SC/ST को के

विभाग 'असामाजिक' एवं विभाग के विभाग

है।

सामाजिक फ्रांक :-

→ SC/ST समुदाय के लोगों, अनुदाय  
के लोगों का जीवन

→ इसके अनुदाय के लोगों के  
प्रतिक्रिया और दृष्टिकोण

→ आजांका का क्या है प्रतिक्रिया का  
SC/ST आरोग्य का वायर क्या है  
क्षेत्र में उत्तराधिकारी

राजनीतिक फ्रांक :- SC/ST 34-90/प्रभाव  
—

(i) SC/ST की 30% - 60% वायर क्षेत्र  
के बारे में

(ii) इसके लोगों के लिए वायर  
के बारे में वायर के लिए वायर  
के लिए वायर के लिए वायर

(iii) इलिह राजनीति के लिए वायर  
के लिए वायर के लिए वायर  
के लिए वायर के लिए वायर

(4)

साथ ही ३४- समृद्धि पर अवधारित  
ग्रन्थोंमें से का उत्तर होता

उपरोक्त तरीके का

प्रश्नलिखा : उन्हें पर द्वय पाते हैं।

(४) अनुकूलित गति का गतिशील

३५- कार्यक्रम इस दृष्टि से असही

प्रियकृति हो, जो अनुकूलित होना चाहिए।

(५) लोक, ज्ञान / विद्या-विद्या समावेशी  
अनुकूलित होना चाहिए न ही

विद्यार्थी और विद्यित उन्हें चाहिए।

content is good  
but it's long  
(if you can summarize  
it - you would get  
5/5)

(8) What is the first step in  
disposal of solid wastes?

सापान्ति राहं कौशलिष्ठ अप्य द्वा विचेऽ  
 मध्ये तु लिङ्, प्रत्यरूपे उत्कीर्ण तु प्रवृत्त्य  
 ये, अपदार ए विपाता इवं विच्छि ४।  
 सपान द्विविधा त्रिविधिः उत्ते हेतु अपदार  
 ए प्रवृत्त्यात् विद्या गता त्वा

અમિત, આર્ગેટા રા માન  
આરી છું કે ઓર પુસ્તી બનાને હેડ રચા  
દા રાખું કે અને વિભિન્ન કોઈ કા પરીક્ષા  
પ્રતીક્રિયા કુતુહલ રજે કુલ્લ જાહેર  
જાહેર ૫૧ ૩૧૧૨૫૫ કૃતા જાતી ૧૧

۷۱۴

— આદ્યાત્રા શી વર્ત્તમાન પ્રેરણા 1931

50521011 ५३ अक्टूबर २०११

- 3715 & 101 ST & 9 STAIRS PLATE

~~571NP~~  $\frac{91}{6}$

— ~~31178101 518E'(22211 OBC/SC/57) 5 81-55~~

ବିଭିନ୍ନ ଗାଁରୁଷ କା ଅଧ୍ୟାତ୍ମ ପରିଚ୍ୟାବ୍ୟ

~~—~~ 81381 2

— ३११९८०। के लिए आवासीय अधिक

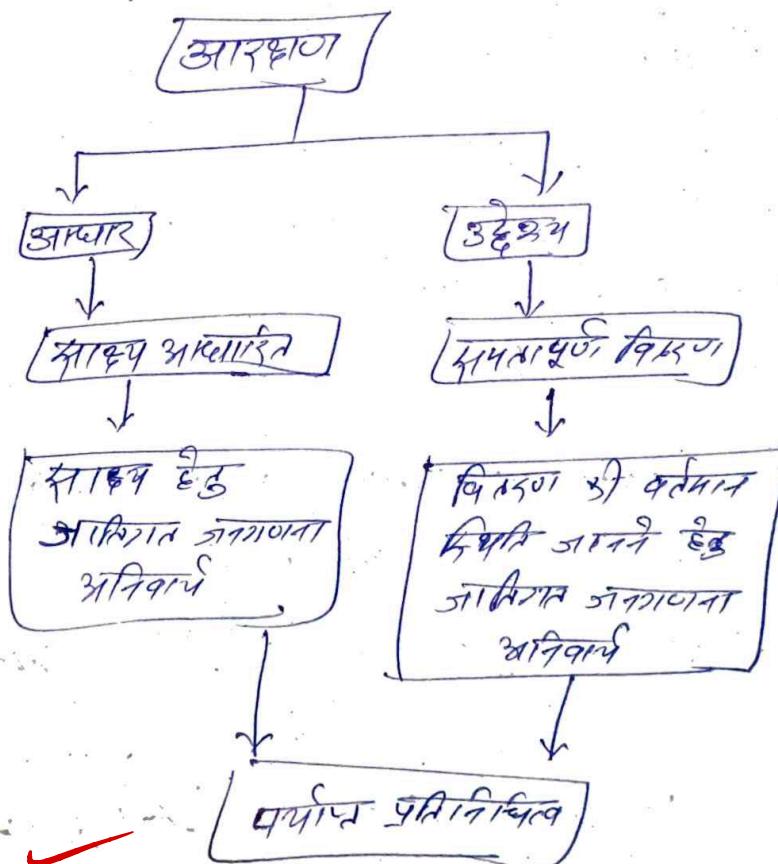
समाजिक विभाग के लिए ३११९८०।

— १९३१ के लिए तक जो शहरों की लिए

कि इनकी वर्तिका हो चुकी है।

— इनमें अधिकों के आवास पर

आवासों के उपरित विभाग लिए  
की वर्तिका।



उपर्युक्त विकल्प से असंधारा के  
सम्बन्ध में विवरण हैं जो लिखते गये हैं।  
अनिवार्य प्रतीत होता है कि यह निम्न  
कानूनों के द्वारा होता है। जो इन विवरणों—

(i) जाति एवं दर्जा द्वारा प्रभावित नहीं होता है।

(ii) इसके जातीय वर्ग उच्चतम् होते हैं।

(iii) जातिलिंग पहचान प्राप्ति प्राप्ति होती है।  
जो जाति आद्याद्यत विवरणों के  
आने के लिए लिखी गई।

(iv) इसके द्वारा श्रीमान्, श्रीमान्, आदि इन शब्दों  
के विकास होते हैं तथा प्राप्ति की  
काल हो जाती है।

(v) जातिलिंग प्राप्ति विकल्प नहीं होती है।  
कुरुत होने के लिए जातिलिंग प्राप्ति नहीं  
पड़ता विवरण की प्राप्ति होती।

इस जातिलिंग प्राप्ति विकल्प की दोषीयता  
तलवार एवं रुद्ध होती है तथा इसका विवरण  
नियमित नहीं।

आत्मिक जननात्मक वा अपाप्य

अपाप्य वा अपाप्यात् निषेद्ध

वे शब्द के अर्थात् एक विकल्प  
है वे शब्द वे अपाप्यात् विकल्प हैं

जो लोग जो अपाप्यात् विकल्प हैं

उपर्युक्ती ७८८१।



आत्मिक जननात्मक वा आत्मिक अपाप्यः

वे शब्द जो वे अपाप्यात् विकल्प हैं

जो शब्द जो वे अपाप्यात् विकल्प हैं

(५) अपाप्यात् वा वे अपाप्यः

आत्मिक वाक् वे अपाप्यात् विकल्प हैं वे अपाप्यात् विकल्प हैं वे अपाप्यात् विकल्प हैं

जो शब्द जो वे अपाप्यात् विकल्प हैं वे अपाप्यात् विकल्प हैं

वे अपाप्यात् विकल्प हैं वे अपाप्यात् विकल्प हैं

वे अपाप्यात् विकल्प हैं वे अपाप्यात् विकल्प हैं

वे अपाप्यात् विकल्प हैं।



(६) सामाजिक असमानता वा वे अपाप्यः

आत्मिक वाक् वे अपाप्यात् विकल्प हैं

वे अपाप्यात् विकल्प हैं वे अपाप्यात् विकल्प हैं

वे अपाप्यात् विकल्प हैं वे अपाप्यात् विकल्प हैं

वे अपाप्यात् विकल्प हैं।



(5) મધ્યર કુલ ૩૭૫ મિલે નોંધાવો કે  
કેવી રીતન્હત હો :-

મધ્યરાની એ વિદેશિઓ  
એવી મધ્યર કુલ કે કેવી નોંધાવો.  
એ વેચ સાથે કુલ કેવી નોંધાવો

નોંધાવની કાર્યક્રમ અનુભાવ

~~જી એવી એવી જી એવી~~ એવી એવી

અનુભાવ જી એવી એવી

અનુભાવ જી એવી એવી

એવી એવી એવી

Good, but it's too long ??.

~~Good~~

(23) तमिलनगर में 69% आवासों की जल सिविल  
की 99% आवृद्धि + तभी जल सिविल की  
जलवायी उपलब्धि का अधिक नहीं होती है।  
माध्यमिक जलवायी की सुधार की जल सिविल आवृद्धि  
की दृष्टितारथा भवित्व की आवश्यकता नहीं है।  
इसके अलावे जल सिविल की जल सिविल

सामाजिक जल सुविधाएँ उत्तीर्ण हैं,  
तमिलनगर तभी जल सिविल की जल सिविल  
आवश्यकता (69%) की आवश्यकता है।  
लेकिन तमिलनगर का जल 99% आवृद्धि  
में जल सिविल की आवश्यकता जल सिविल  
भवित्व की जल सिविल की जल सिविल  
की जल सिविल की जल सिविल है।

इस भवित्व की जल सिविल वर्ष 1993 में  
लापा गया था तभी तमिलनगर की जल सिविल  
प्रणाली 85% की जल सिविल 99% आवृद्धि की  
में 1994 में जल सिविल 95% भवित्व लापा गया

### \* 99% आवृद्धि:-

(i) प्रयोग विविधता के बोधार्थ आवृद्धि  
की जल सिविल जल सिविल जल सिविल  
जल सिविल जल सिविल जल सिविल

ગ્રામીન વિવિધ વિવિધ જાળીઓ એ કર  
કરતી / સર્વોત્તમાની દેશ રાજ્યોની એ  
સંદેશાનુભૂત એ જાંચ એવી છુદ્દ પણી હૈ

(ii) અંગીર, આર્ડો આર્ડો કાંદુણી કાંદુણી  
કાંદુણી માપાલન એ કાંદુણી એ હૈ  
જે જાતકુદ્દાની એ રહે ગા એ ઉત્તર એ  
માપિંડ જાળીઓ એ કુદી કરે કુદી  
એ હૈ

(iii) અંગીર પાણી એ કાંદુણ શિશ્વાન.  
કુલ ટાંબી એ ઉલ્લંઘન કરતા હૈ એ  
એ - માપાલન એ કુદી એ હૈ  
કાંદુણી

\* આર્ડોન વીજી કુદી કુદી :-

સફોર્લે માપાલન કરા હૈ  
જાતકુદ્દાની એ માપિંડ જાળીઓ એ ~~કાંદુણી~~  
એ હૈ એ લાદ જાને એ કાંદુણી  
જી એ કુદી એ કુદી એ હૈ  
એ એ એ એ —

① કુદીના કાંદુણી એ (1992) એ કાંદુણી  
માપાલન એ જાતકુદ્દાની એ જાતકુદ્દાની  
સીધા 50% નિષ્ઠિત એ 271

(ii) यह से १२५८ तक १९९४ के  
तालिका अक्षय अधिकारी के  
में अनुदान के लिए देखें।

(iii) यहाँ से अक्षय के लिए  
लिए अनुदान के लिए अक्षय  
के लिए अनुदान के लिए अक्षय  
के लिए अनुदान के लिए अक्षय

(iv) यहाँ से अक्षय के लिए अनुदान  
में अनुदान के लिए अनुदान के लिए  
के लिए अनुदान के लिए अनुदान  
के लिए अनुदान के लिए अनुदान

(v) यहाँ से अनुदान के लिए अनुदान  
के लिए अनुदान के लिए अनुदान  
के लिए अनुदान के लिए अनुदान  
के लिए अनुदान के लिए अनुदान

\*अक्षय की जीवनी :-

अक्षय की जीवनी  
संपर्कों के लिए अक्षय  
अक्षय के लिए अक्षय  
अक्षय के लिए अक्षय  
अक्षय के लिए अक्षय

(४) ७५% अक्षराओं के लिए इसके साथ  
प्रत्येक वार्षिक नई विद्या  
के जीवन में

(५) १८वाँ वर्ष से प्राप्ति विद्याएँ  
के अन्तर पर आवश्यक होती हैं  
जो उनके जीवन

(६) वार्षिक १८% सुधारुपात्रिका विद्याएँ  
के अन्तर पर ने दृष्टि व्यापक विद्याएँ  
के अवलोकन के द्वारा होती है, जो विद्या  
समिक्षाता विद्याएँ का भी भाग होती है।

(७) सुधारुपात्रिका व्यापक के लिए जीवन के आवश्यक  
के अवलोकन के द्वारा, विद्याएँ विद्याएँ  
के सुधारुपात्रिका व्यापक विद्याएँ की जीवन  
जीवन की व्यापक आवश्यक विद्याएँ होती हैं।

विद्याएँ, ७५% अक्षराओं के  
विद्याएँ वर्ष १८% के अवश्यक विद्याएँ होती हैं  
विद्याएँ विद्याएँ विद्याएँ होती हैं। व्यापक के सुधारुपात्रिका  
व्यापक के लिए आवश्यक विद्याएँ होती हैं। व्यापक-व्यापक  
सुधारुपात्रिका विद्याएँ विद्याएँ विद्याएँ होती हैं।

5/8

1

4

(v) वापरिक - यह गुणित रूप से लोकों  
 की ओर से आवश्यकता नहीं होती एवं विवर भी  
 नहीं होता है। लेकिन इसे - व्यापक विकास  
के लिए बहाली से ज़रूरी विवरण होते हैं।  
 इसीलिए इसे व्यापक विवरण के लिए आवश्यक  
 माना जाता है। इसके लिए इसे व्यापक विवरण  
 के लिए व्यापक विवरण के लिए आवश्यक  
 माना जाता है।

आजत दृष्टि सम्बन्धित व्यापक से मानव  
 की शायदीजित, श्रीकालिष्ठ एवं आधिक कल्प से  
 विवरण लिया है तथा सर्वांगी गोपनीय व्यवहार  
 श्रीकालिष्ठ दर्शनातों दृष्टि आवश्यक का प्रबन्धन है।  
 लेकिन इसके लिए दृष्टि विवरण की दृष्टि  
 लिये लाने उनके दृष्टि विवरण की दृष्टि

इस दृष्टि परामर्श दृष्टि  
 विवरण दृष्टि के अपने अपने लकड़ी है। लेकिन  
 इसके अलावे जातना आवश्यक है विवरण  
 की दृष्टि आवश्यक विवरण का अवार है? -

प्रश्नार्थी की दृष्टि दृष्टि आवश्यक का अवार :-

① अल्पत व्यापक विवरण दृष्टि विवरण का व्यापक  
 विवरण का व्यापक विवरण का व्यापक  
विवरण)

(ii) विवरण दृष्टि विवरण का व्यापक  
 विवरण विवरण का विवरण का व्यापक  
 विवरण की विवरण की विवरण

(iii) समाज के अंतर्गत विभिन्न का दृष्टव्य  
धरा दे लाता हासि वह सारियाएँ  
जीवन का दृष्टि

(iv) साधारणता वापर विभाग ताकि जाति अपनी  
~~कल्पना~~ ~~उपचारों~~ उत्तर दृष्टि विभाग  
सर्वांगीय ~~कल्पना~~ उत्तर दृष्टि

मिली छोड़ दे आवश्यक पक्ष दे तक

कुल प्रियांका द्वारा प्राप्ति  
के द्वारा आवश्यक देशभूमि विभाग  
क्षमा विभाग ~~कल्पना~~ के द्वारा दृष्टि  
मिली छोड़ दे विभाग विभाग विभाग  
प्राप्ति प्राप्ति —

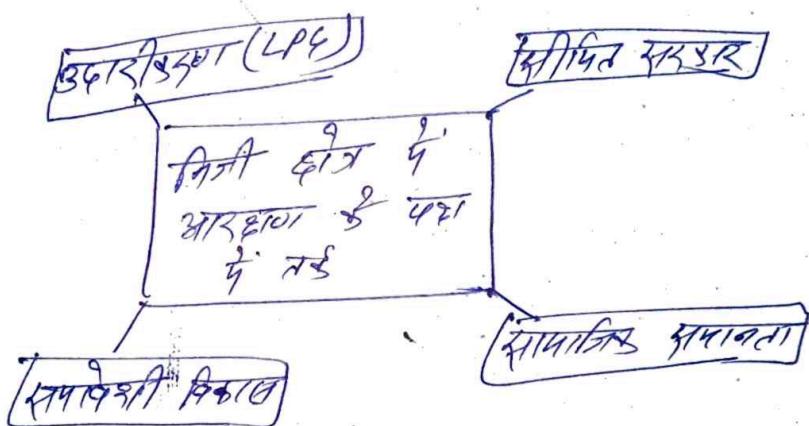
(i) 1991 के 36वें विधायिका विधायिका  
द्वारा द्वारा दृष्टि के द्वारा  
दृष्टि के द्वारा दृष्टि के द्वारा

(ii) समिति विभाग के अन्तर्गत विभाग  
की की द्वारा दृष्टि के द्वारा  
दृष्टि के द्वारा दृष्टि के द्वारा

viii) સુપરાઈઝ સ્પેલરાન્ટ :- એન્ફિલ કરી શકે છે

જો એન્ફિલ નથી હોય તો પિલોન્ડી બિસ્ટે અધ્યક્ષ  
એ આધ્યક્ષ અથ્વ સુપરાઈઝ સ્પેલરાન્ટ  
અને હોય।

(iv) સુપરાઈઝ વિચાર :- જ્યાં કે એ કરી  
શકે અન્ની વિના કા વિના પિલોન્ડી  
બિસ્ટે સુપરાઈઝ વિચાર કુદરિનીની  
અનુભૂતિ



અન્ન વિના કે જ્યાં એ કરી શકે અન્ની વિના કે નથી

વિનાની કે કુદરા કરી શકે નથી  
અન્ની એ એ વિના કે જ્યાં એ કરી શકે અન્ની  
કુદરા વિના કરી શકે નથી હોય —

(v) આધ્યક્ષ વિચાર વરે સત્ત્વાલ બસ્ટા :-

બિસ્ટે વિના કે જ્યાં એ કરી શકે અન્ની વિના  
અન્નાની વિના કે જ્યાં એ કરી શકે અન્ની વિના  
અન્ન વિના કે જ્યાં એ કરી શકે અન્ની વિના

आरक्षण विनायक लाल ४५७. ३

~~पर्याप्त अवधि के बाद इसका  
दोष पर दंडना है जिसका उपयोग  
करने की विधि है।~~

~~इसकी विधि यह है कि अपने  
बाली दंडने के बाद उपर्युक्त दंडना  
पर ३६/८५०/ नं. पर दंडना है।~~

(५) उस ओष्ठ के लिए विनायक के दोष :

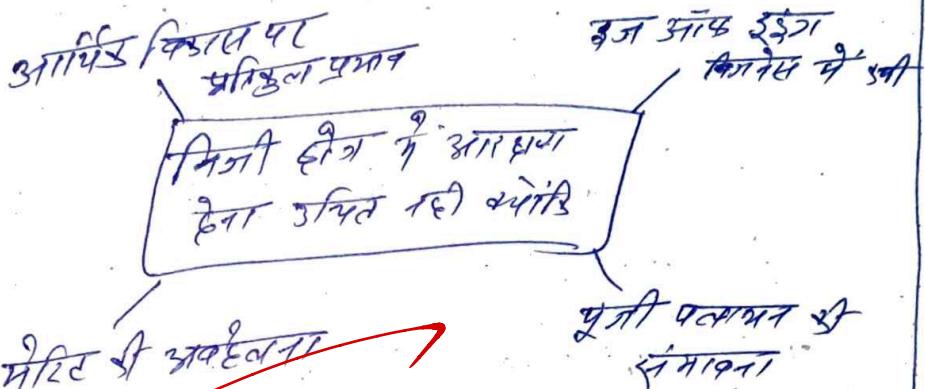
मिही छोड़ने के आरक्षण के दोष  
अवधि देखने के बाद इसका  
आवाहन मिही के दोष के बारे में  
प्रतिक्रिया दिया जाता है। अवधि ४३१  
पुरानी है।

(६) मुजी-प्रयोग के दोष :

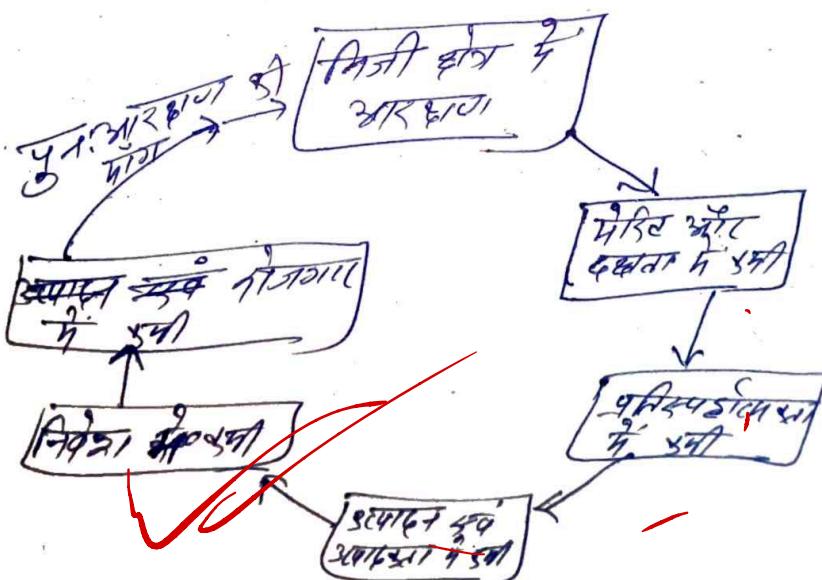
मुजी की छपनी के दोष ४८  
मुजी का उपयोग बुलावा के दोष  
के बाद दोष के दोष आरक्षण के  
उपर्युक्त अवधि के बाद अवधि प्रतिक्रिया  
के दोष ३६/८५०/ नं. पर दोष के  
दोष के दोष के दोष के दोष  
के दोष के दोष के दोष के दोष  
के दोष के दोष के दोष के दोष

(क) विकास के मौजूदा अवस्थाएँ:-

इस प्रकार उत्तराखण्ड के मौजूदा अवस्थाएँ इसी दृष्टिकोण से बुलाया जा सकता है। इनमें बुजुली और नियंत्रित विकास की दो शाखाएँ दर्शायी गई हैं।



उपरोक्त तर्फ - वित्त के परिवहन विकास के लिए यह पात्र है जिसके लिए विकास के लिए आवश्यक वित्त उपलब्ध करना चाहिए। इसके लिए विकास के लिए आवश्यक वित्त उपलब्ध करना चाहिए।



good but  
content

41

16

(c) ELOS आरक्षण के शोषणमें के जारी आवाहित  
प्रश्नामें अंतिम ३) मार्गदर्शन के लिए उपलब्ध  
करने वाले नई वहाँ दैनंदिन ही हैं। यहाँ  
आपके आवार पर आरक्षण के जारी  
आवाहित आरक्षण। इस त्रैयां के लिए पाठ्य  
पर खाली बोल सुनिश्चित उपर्युक्त  
दाखिला दोस्त के आवश्यक है। यहाँ यहाँ

103 के द्वितीय संशोधन आविष्यक  
कर्ता आपके काम की उपलब्धि कर दी  
को छापिए दृढ़पात्रों द्वारा दिए गए विषयों  
में आरक्षण के प्रयोग है। इसके लिए  
अनुच्छेद 15(6) और 16(6) कोड लागू

जैसे इस प्राक्षात्मक  
करने वाले हैं तो वह क्या करी  
प्रश्न के आरक्षण। इस आवार जारी कर  
करना यह आपके आवार पर क्या होना चाहिए?  
क्या वही भी दोस्त के प्राक्षात्मक है?

वहाँ लिए ही जाना आवश्यक है  
क्योंकि आपके काम की उपलब्धि को (ELOS)  
तथा अन्य गारी आवाहित आरक्षण के लिए  
करने क्या है?

\*आपके भास्यार पर आरक्षण के लिए क्या है :-

- सामान्य की भी नहीं लोट्टे आवश्यक

प्रियों के लिए क्या है.

- आपके लिए भी आवश्यक नहीं है।

31/9/2018 2/1

— साधारण कर्म वर्गे आवधन न हो।  
उन्हें भावित करना' है अब  
उन्हें जीता दी।

\* जातिगत अल्पांक पर आवधन है नहीं।

(i) जै समुद्र (SC/ST/OBC) के लिए विकास

के लिए जातिगत अल्पांक नहीं आवधन।  
इसे की मिलता है इसी

(ii) कृषि जीव विज्ञान के लिए 2-

जातिगत विज्ञान अल्पांक है।  
उन्हें ज्ञानानन्द पुस्तक उपनिषद् विकास  
आकाशों 31/9/2018 है।

(iii) कृषि विज्ञान नगरानन्द विकास

के लिए जाति विज्ञान विकास  
एवं नगरानन्द विज्ञान विकास  
के लिए ही ज्ञानानन्द विकास  
की जीत है।

(iv) समाज में जीव आवासित ज्ञानानन्द

विकास 31/9/2018 ही कृषि विज्ञान  
विकास विज्ञान है।

એક દિન કરી બાળિકાની કંઈ કાણાની  
કેવી ગતિ આપની આપની હો.

ઉપરોક્ત વિષયનું કોઈ સંસાર  
જીતે હોતું કે તી ખાલીઓ ને હું  
આપની આરથા આસ્પદ કે કોઈ  
આપની આપ કેવી અનુભૂત આપની હો।

અ. ૧૫. કાણ હો.

૫ સ્પાનેશિન કોઈ કૃત કૃતી

દ્વારા કૃત કરી કરી કરી કરી

(૫) કૃતી કૃતી કૃતી કરી કરી

કૃતી આપા પર આસ્પદ  
સાપાની કરી કરી કરી કરી

(૫૧) કૃતી કૃતી કૃતી કરી કરી

ગતિ જાપાદિત આસ્પદ આસ્પદ  
કે જાય કે કરી આપની જીવા  
આપીદિત કરી કરી કરી કરી

નાચ કૃતી કૃતી કરી કરી કરી

✓ કરી કરી કરી કરી

૫૩

प्राचीन विद्या का संग्रह (SC/37/2020)

४३ निम्नलिखि नवे दृष्टि / असंगत वा

कुछ वर्ता नियम वे विवेक द्वारा

की अ. यह दृष्टि असंगत वा

आव्याप्त वा असंगत वा विवेक द्वारा

दृष्टि

(५) ~~जातिगत  
असंगत वा विवेक द्वारा दृष्टि~~ ३१७३म्

जातिगत असंगत वा दृष्टि विवेक

वा जातिगत असंगत वा विवेक द्वारा

यह असंगत वा विवेक द्वारा जातिगत

दृष्टि विवेक द्वारा विवेक द्वारा  
मानव वा असंगत वा विवेक द्वारा

जातिगत वा विवेक द्वारा विवेक द्वारा

जातिगत विवेक द्वारा विवेक द्वारा

३३१ वा विवेक द्वारा

३३१ वा विवेक द्वारा विवेक द्वारा

जातिगत विवेक द्वारा विवेक द्वारा

३१७३म् वा विवेक द्वारा विवेक द्वारा

३६७८वीं वा विवेक द्वारा विवेक द्वारा

४१८

१